A-0430

Total Pages : 4 **Roll No. ----------**

DMA-102

ज्योतिष शास्त्र में रोग ज्ञान के आधार

Diploma in Medical Astrology (DMA)

1st Year, Examination 2024 (Dec.)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

खण्ड–'क'

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2x26=52]

Q.1. अरिष्टयोगों पर चर्चा करते हुए अरिष्टभंगयोगों को भी सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. आयु के प्रकारों पर प्रकाश डालते हुए मध्यमायु के योगों को उदाहरणसहित बताईये।

Q.3. मृत्युकाल के निर्णय पर ज्योतिषीय दृष्टिकोण की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

Q.4. ज्योतिष की दृष्टि से रोगनिर्धारण के प्रमुख तत्त्वों पर विस्तृत आलेख लिखिए।

Q.5. रोगों के विविध प्रकारों पर विस्तृत विवेचना प्रस्तुत कीजिए।

खण्ड–'ख'

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4x12=48]

Q.1. अरिष्ट काल निर्माण पर ज्योतिषी दृष्टि प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. ज्योतिष में रोगविचार की परम्परा पर लघु आलेख लिखिए।

Q.3. सोदाहरण किन्हीं चार दीर्घायुयोगों का वर्णन कीजिए।

Q.4. दशा के माध्यम से रोग काल का निर्धारण किस प्रकार किया जा सकता है? सोदाहरण चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.5. स्वप्न के आधार पर रोग परिज्ञान की विधि का वर्णन कीजिए।

P.T.O.

Q.6. मृत्यु प्रकार एवं काल विषय पर संक्षिप्त चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

Q.7. सूर्य एवं चन्द्र के द्वारा सम्भावित रोगों पर टिप्पणी प्रस्तुत कीजिए।

Q.8. अमितायुयोगों पर सोदाहरण विमर्श कीजिए।

****